22

सिर्फ पढ़ने के लिए

समय का महत्व

समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना,

चला गया तो समय लौटकर, कभी नहीं फिर आता।
सदा समय को खोने वाला, मल-मल हाथ पछताता,
जिसने इसे न माना उसको समय सदा ठुकराता ।
लाख यत्न करने पर भी फिर हाथ न उसके आता,
हो जाता है एक घड़ी के लिए जन्म-भर रोना ।
समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना।

धन खो जाता, श्रम करने से फिर मनुष्य है पाता,
स्वास्थ्य बिगड़ जाने पर, उपचारों से है बन जाता।
विद्या खो जाती, फिर भी पढ़ने से है आ जाती,
लेकिन खो जाने से मिलती नहीं समय की थाती ।
जीवन-भर भटको छानो दुनिया का कोना-कोना,
समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना।

किया मान आदर जिसने भी, और इसे अपनाया,
जिसने आँका मूल्य उससे इसने है अमर बनाया ।
महापुरुष हो गए विश्व में जितने यश के भागी,
सब जीवन पर्यंत रहे हैं पल-पल के अनुरागी ।
उचित प्रयोग समय का ही है, सफल मनोरथ होना,
समय बहुत ही मूल्यवान है, व्यर्थ कभी मत खोना।

शब्द-कोश

अ

अंतरिक्ष-आकाश
अचकन-लंबा बंद गले का कोट
अधीन-वश में
अनुनय-प्रार्थना
अनुमति-आज्ञा, स्वीकृति
अपूर्व-जिसके जैसा पहले न हुआ हो
अर्घ्य-पूजन के लिए दूध, जल
अल्टीमेटम-चेतावनी
अश्रु-आँसू
असह्य-न सहने योग्य
अगाध-अथाह
अट्टहास-जोर की हँसी
अनायास-अचानक
अनुपम-सुन्दर, बेहतरीन
अनूठी- अनोखी, सुन्दर
अप्रत्याशित-जिसकी आशा न हो
अरण्य-जंगल
अवांछित-बिना इच्छा के
असहाय-लाचार

आ

आज़ादी के परवाने-आज़ादी के लिए सहर्ष प्राण न्योछावर करनेवाले
आमोद- खुशी
आहुति-हवन में समर्पित की जानेवाली वस्तु
आभास- महसूस होना
आस्था-विश्वास

इ

इठलाऊँ-गर्व करूँ

उ

उथली-छिछली, कम गहरी
उधेड़बुन-निरंतर विचार वाला
उपहार-सौगात
उत्तराधिकारी-किसी के मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति पाने का हकदार
उस्ताद-गुरु
उदित-उगा हुआ
उपग्रह-बड़े ग्रहों की परिक्रमा करने वाले आकाशीय पिंड
उपालंभ-शिकायत
उर्वरा-उपजाऊ

ए

एकाएक–अचानक

एहसास–अनुभव

औ

औपचारिक–विधिवत

क

कज्जलकोर–काजल की रेखा

कर–हाथ

कीर्त्ति–यश

कौतुक प्रियता–खेल तमाशा या हँसी–मजाक का भाव

कर्मनिष्ठा–कर्म करने में विश्वास

कामना –इच्छा

कुटुम–परिवार, खानदान

कृपाण–तलवार

ग

गतवर्ष–पिछले साल

गंभीर–गहरा

ग्रीवा–गरदन

गौरवपूर्ण–सम्मान से युक्त महत्त्वपूर्ण

गोपनीय–छिपाने योग्य

च

चंपकवर्ण रूपसी–चंपा के फूल जैसे रंगवाली सुंदरी

चीत्कार–चिल्लाहट, चीख पुकार

ज

जलचर–जल में रहनेवाला

जाँबाज–जान की बाजी लगानेवाला

जीवनसंगिनी–पत्नी

जन–संकुलता–लोगों की भीड़–भाड़

जिज्ञासा–जानने की इच्छा

ठ

ठिठकना–थोड़ी देर के लिए रुकना

ठूँठ–पत्ती एवं टहनी विहीन निर्जीव पेड़

त

तज्जनित–उससे उत्पन्न

तिलमिलाना–बेचैन हो जाना

तना–जड़ के ऊपर का भाग

तीर–किनारा

द

दर्प–रोब, अभिमान

दाखिला–प्रवेश

दारुण दुरवस्था–अत्यंत दयनीय स्थिति

दृढ़ता–मजबूती

ध

धमस–थकान

धरा–पृथ्वी

धर्मनिरपेक्षता–धर्मों से तटस्थ रहना

धीमर–सुस्त

धीरज धरना–मन को स्थिर करना

धूल चटाना–हरा देना

न

नक्षत्र–तारा

नफरत–घृणा

नभ–आकाश

नाद–आवाज

नामुराद–अभागा

निर्देश–समझाना

निर्दोष–बगैर दोष का, दोषरहित

निर्मल–साफ

नित्य–नैमित्तिक–रोज के काम

निरुत्तर–बिना उत्तर के

निष्ठा–श्रद्धा एवं भक्ति

निष्फल–व्यर्थ

नूपुर–पायल

प

पखवाड़ा–पन्द्रह दिनों का कालखंड

पताका–झंडा

परकोटा–गढ़ की रक्षा के लिए निर्मित ऊँची चार दीवारी

परलै–प्रलय

परसल–स्पर्श करना

पराजय–हार

पराधीन–गुलाम

परिचालन–चारों ओर घुमाना

परिवेश–आस–पास का वातावरण

पाय–पैर

पाषाण–पत्थर

पितामह–दादा

पितृभक्त–पिता का भक्त

पीताम–पीली चमक देता हुआ

पुनमति–बार–बार

पुश्तैनी–खानदानी

पेशगी–अग्रिम

पेशानी–माथा, मस्तक

पौरुष–पुरुष का कर्म

प्रकट–सामने, अवतरित

प्रकोप–अत्यधिक क्रोध

प्रत्यावर्तन–पलट के आना

प्रतिरोध–विरोध, मुकाबला

प्रयास–कोशिश

प्रवृत्ति–आदत
प्रस्थान–कूच
प्रशांत–पूरी तरह शांत
प्रारब्ध–भाग्य

फ

फौरन– जल्दी

ब

बंकिम–टेढ़ा, तिरछा
बदहजमी–अनपच
बहुरि–पुनः
बिगाड़–खराब
बुलंदी–ऊँचाई
बेबसी–लाचारी
बदतर–और अधिक खराब
बवंडर–आंधी–तूफान, चक्रवात
बिंध–छिदकर
बिसरह– भुलाना
बेड़ी–जंजीर

भ

भनई–कहना
भुजंग–साँप

म

मनहर–मन को हरनेवाला
महसूस–अनुभव
मिति–माप
मुमूर्षु अवस्था–मरने की अवस्था
म्यान–तलवार रखने का खोल
मनुहार–मनाना
मार्गदर्शन–राह दिखाना
मुक्ति–छुटकारा
मृत्युदंड–मौत की सजा

य

यशस्विनी–यश प्राप्त करने वाली
योद्धा–युद्ध करने वाला
युक्ति–तरीका

र

रिपु–दुश्मन

ल

लखो–देखो
लोभवश–लालच के कारण

व

वार–प्रहार

विख्यात–प्रसिद्ध

विनीत–नम्र, विनत, झुका हुआ

वेधशाला–जहाँ ग्रह–नक्षत्रों का अध्ययन किया जाता है।

वास्तविक–असली

विद्युतगति–बिजली जैसी तेज चाल

विश्वासघाती–विश्वास को तोड़नेवाला

व्यास–केन्द्र से होकर परिधि के दो छोरों के बीच की दूरी

श

शंखनाद–शुरुआत

शव– मृतशरीर

शौर्य–वीरता

शर–तीर, वाण

शाखा–टहनी, डाली

श्रद्धास्पद–आदरणीय

स

संकल्पित–दृढ़ निश्चय किया हुआ

सतत–लगातार

समदओं–प्रार्थना करना

समपन्न–पूर्ण होना

सलाखें–लोहे की छड़

सौरभ–सुगंध

सुरंग–धरती के अन्दर आने–जाने के लिए बना रास्ता

सहस्रों–हजारों

सहिष्णु–सहनशील

स्फुरन–हरकत

स्वप्न–सपना

संभावना–उम्मीद

सभीत–भय के साथ

सम्बल–सहारा

सम्राट–जिसके अधीन कई राजा हों

सर्वश्रेष्ठ–सबसे अच्छा

सौम्य–सुन्दर

सुरबाला–अप्सरा

स्निग्ध–चिकना, सुन्दर

स्तब्धता–जड़ता, निश्चेष्टता

स्मरण–याद

ह

हुंकार–ललकार